विशिष्ठ उपलब्धियां
वर्ष 2016–17

स्काउट गाइड संगठन का शुभारम्भ 1907 में हुआ था। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के इतिहास में सत्र 2016–2017 कीर्तिमानों के रूप में मनाये जाने योग्य है । संगठन ने सभी स्तरों पर उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

1. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व :–

इस वर्ष इंग्लैण्ड, सिंगापुर, थाईलैण्ड, मलेशिया, पचमढ़ी आदि स्थानों पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय शिविरों एवं गतिविधियों में राजस्थान से 33 स्काउट विभाग तथा 18 गाइड विभाग सहित कुल 51 की सहभागिता राजस्थान से की गई।

2. कीर्तिमान :–

भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा सत्र 2016–17 में राष्ट्रीय परिषद द्वारा वर्ष 2015–16 की उपलब्धियों एवं कार्यक्रमों के समग्र मूल्यांकन के आधार पर राजस्थान प्रदेश संगठन को स्काउट विभाग में प्रथम एवं गाइड विभाग में द्वितीय स्थान की चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड प्रदान की गई । साथ ही समग्र रूप से संख्यात्मक वृद्धि में स्काउट व गाइड प्रथम, रोवर विभाग को तृतीय, रेंजर को द्वितीय, स्काउट, कब, बुलबुल एवं गाइड विभाग को प्रथम स्थान की शील्ड सहित कुल 9 शील्डें प्रदान कर राजस्थान प्रदेश को सम्मानित किया गया है ।

17वीं राष्ट्रीय स्काउट/गाइड जम्बूरी दिनांक 29 दिसम्बर,2016 से 4 जनवरी,2017 तक मैसूर (कर्नाटक) में राजस्थान से 1648 संभागियों के दल ने सहभागिता की । राजस्थान दल के संभागियों ने कुल 20 विभिन्न प्रतियोगिताओं में से 18 प्रतियोगिताओं में "ए" तथा 2 प्रतियोगिताओं में "बी" ग्रेड प्राप्त कर जम्बूरी का सर्वोच्च अवार्ड **"चीफ नेशनल कमिश्नर फ्लेग"** एवं स्काउट गाइड विभाग का सर्वोच्च अवार्ड **"नेशनल कमिश्नर शील्ड"** प्राप्त कर राजस्थान के गौरवमयी इतिहास को कायम रखा है ।

3. संख्यात्मक प्रगति :–

संख्यात्मक दृष्टि से राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर अपना विशेष स्थान रखता है। राज्य में सत्र 2016–17 की गणना में स्काउट विभाग में 1.25 प्रतिशत, गाइड विभाग में 3.6 प्रतिशत तथा समग्र रूप से 1.73 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है । प्रदेश में स्काउट विंग की गणना 8,56,113 तथा गाइड विंग की 2,27,086 है । इस प्रकार कुल गणना 1083250 है । इस सत्र में 2363 नवीन ईकाइयाँ पंजीकृत की गई है। साथ ही थोई जिला सीकर में नवीन स्थानीय संघ का गठन किया गया है ।

4. गुणात्मक प्रगति :–

गुणात्मक दृष्टि से प्रदेश के 2653 चतुर्थ चरण कब 1344 हीरक पंख बुलबुल तथा 533 कब एवं 348 बुलबुल ने सुनहरा तीर प्रमाण पत्र प्राप्त किया। इसी के साथ 4325 स्काउट व 1367 गाइड ने राज्य पुरस्कार बैज तथा 189 स्काउट व 96 गाइड ने राष्ट्रपति अवार्ड बैज प्राप्त कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है । सेवा के लिए तत्पर 860 रोवर्स व 538 रेंजर ने राज्य पुरस्कार बैज तथा 22 रोवर्स व 33 रेंजर ने राष्ट्रपति अवार्ड प्राप्त किए है।

5. गतिविधियां :–

संगठन का उद्धेश्य राष्ट्र की भावी पीढ़ी को सुनागरिकता का प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें समाज का उपयोगी नागरिक बनाना है। इस उद्धेश्य की पूर्ति हेतु समय समय पर कई प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाता है। आलोच्य वर्ष में विद्यालय ग्रुप स्तर पर 292 ग्रुप वार्षिक शिविरों का आयोजन कर 8320 स्काउट/गाइड को लाभान्वित किया गया।

स्थानीय संघ, जिला व मण्डल स्तर पर 3182 शिविरों के माध्यम से 191552 स्काउट गाइड, राज्य स्तर पर 60 शिविरों के द्वारा 4222 स्काउट गाइड व राष्ट्रीय स्तर पर 56 शिविरों में 2407 स्काउट/गाइड को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

6. स्काउट आवासीय विद्यालय :–

सत्र 2013–14 में प्रदेश संगठन द्वारा स्काउट आवासीय विद्यालय जुलाई,2013 में प्रारम्भ किया गया । आलोच्य वर्ष में यह विद्यालय कक्षा 6 से 9 तक संचालित किया गया और समस्त सुविधाएँ यथा आवास, भोजन, खेल, कम्प्यूटर, यूनिफार्म, लाइब्रेरी इत्यादि निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है । अध्यापकों के अभाव में परीक्षा परिणाम में कमी, बालकों में अनुशासनहीनता एवं बघेरे के विद्यालय परिसर में प्रवेश के कारण विद्यालय संचालन में कठिनाई आ रही है ।

7. युवा महोत्सव :–

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड द्वारा युवा बोर्ड, राजस्थान सरकार के सहयोग से युवा सांस्कृतिक प्रतिभा खोज महोत्सव–2016 का पूरे प्रदेश में भव्य आयोजन किया गया । जिसमें ब्लॉक, जिला, मण्डल एवं राज्य स्तर पर आयोजित कुल 302 गतिविधियों में 128688 की जन सहभागिता रही है ।

8. सामुदायिक सेवा एवं समाज सेवा में अग्रणीय :–

स्काउटिंग / गाइडिंग को सेवा का पूरक कहा जाता है। संगठन के माध्यम से स्काउट्स / गाइड्स को छोटी आयु से ही समाज सेवा के विभिन्न अवसर प्रदान किए जाते हैं, ताकि उनमें निःस्वार्थ भाव से सेवा करने के गुण विकसित हो सकें।

(अ) समाज सेवा –

स्काउट्स / गाइड्स से यह अपेक्षा की जाती है कि वे प्रतिदिन कोई न कोई सेवा का कार्य अवश्य करें। सेवा का कोई भी मौका हो, स्काउट / गाइड को अग्रणीय भूमिका के रूप में सहज ही देखा जा सकता है। आलोच्य वर्ष में संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा अपनी व्यक्तिगत सेवाओं के अतिरिक्त अनेक अवसरों पर सामूहिक सेवाकार्यो का आयोजन किया गया । जिसमें 223171 स्काउट्स / गाइड्स द्वारा 1638015 घंटों की सेवाएँ समाज को अर्पित की गई । इसमें खाटूश्याम, रामदेवरा, बाणेश्वर धाम, कैलादेवी, दशहरा, तीज, गणगौर, जीणमाता, पुष्कर मेला, उर्स मेला, कोलायत, गोगामेडी मेलों एवं अस्पतालों में सेवा कार्य आदि सम्मिलित हैं ।

(ब) सामुदायिक सेवा –

सामुदायिक विकास कार्यक्रम यथा साक्षरता, पर्यावरण, पल्सपोलियो टीकाकरण, कुष्ठ नियंत्रण, स्वच्छता चेतना, व्यसन मुक्ति, आयोडीन युक्त नमक, जल संरक्षण आदि पर समय समय पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाकर समाज को सेवायें प्रदान की जाती है। वर्ष 2016–17 में प्राप्त सूचनाओं के अनुसार प्रदेश में 185155 स्काउट्स / गाइड्स द्वारा 1017061 घंटों की सेवायें समाज को प्रदान की गई।

(स) नेशनल ग्रीन कोर :–

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश के 8250 विद्यालयों में गठित ईको क्लबों में लगभग 3 लाख स्काउट्स / गाइड्स इन ईको क्लब्स द्वारा समाज में पर्यावरण स्वच्छ भारत–सुन्दर भारत से संबंधित गतिविधियों से जनचेतना लाने का कार्यक्रम किया जाता है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार वर्ष 2016–17 में पर्यावरण संबंधी कार्यक्रमों में प्रदेश के करीब 4.74 लाख स्काउट्स / गाइड्स द्वारा अपनी भूमिका का निर्वाह किया गया।

9. विशिष्ट योजनाएँ :–

– जनजाति क्षेत्र के बालक / बालिकाओं, युवक / युवतियों के सर्वांगीण विकास हेतु आदिवासी क्षेत्र में 68 ट्रुप एवं 12 कम्पनियों सुचारू रूप से कार्यरत है । योजना के अन्तर्गत नशामुक्ति, पर्यावरण, स्वच्छ भारत–सुन्दर भारत अभियान, प्रकृति अवलोकन एवं स्काउट गाइड कला हेतु 317 गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें 12176 शिविरार्थियों ने सहभागिता की ।

– ग्रामीण क्षेत्र युवाओ के लिए ग्रामीण रोवरिंग / रेन्जरिंग संचालित है । प्रदेश में 58 रोवर क्रू 16 रेंजर टीम पंजीकृत है । आलोच्य वर्ष के दौरान मण्डल स्तर पर 10 ग्रामीण रोवर / रेंजर प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन हुआ जिसमें 319 सम्भागियों ने भाग लिया।

– विकंलाग स्काउट–गाइड को गतिविधियों से जोड़ते हुए सभी मण्डलों में इसकी ईकाइयां संचालित है। आलोच्य वर्ष में विकलांग स्काउटिंग की गतिविधियों के लिए 7 शिविरों का मण्डल स्तर पर आयोजन किया गया, जिसमें 369 विकलांग स्काउटों ने भाग लिया।

– अनुसूचित जाति के बच्चों को स्काउट/गाइड गतिविधियों से जोड़ने के लिए 33 शिविरों के माध्यम से 2910 बालक/बालिकाओं को स्काउटिंग/गाइडिंग से जोड़ा गया है ।

– अनाथालयों में स्काउट–गाइड योजना के अर्न्तगत प्रदेश के सभी 7 मण्डलों में 8 शिविरों का आयोजन कर 462 अनाथ बालक/बालिकाओं को स्काउटिंग/गाइडिंग से जोड़ा गया ।

– ग्रीष्मकालीन कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्रों पर बालक/बालिकाओं को स्वालम्बन की शिक्षा के उद्धेश्य से वर्ष 2016–17 में 119 केन्द्रों में 24055 छात्र/छात्राओं को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, कम्प्यूटर, संगीत, नृत्यकला, पाक कला, पर्सनलटी डवलपमेंट, योग प्रशिक्षण, पेपरमैशी, मोबाइल रिपोयरिंग, फेशन डिजाइनिंग, साजसज्जा, बुक बाइंडिंग, टाई एण्ड डाई, ब्यूटिशियन, विद्युत, मेंहदी आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

10. अधिवेशन व सभाएँ :–

संगठन में आपसी विचार–विमर्श, कार्यक्रमों की समीक्षा, आगामी कार्य योजना पर विचार, जनसम्पर्क हेतु समय–समय पर विभिन्न स्तरों पर सभा–सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं ।

आन्दोलन की रीति–नीति पर विचार–विमर्श करते हुए क्रियाकलापों का वार्षिक सिंहावलोकन एवं आगामी वर्ष हेतु कार्यक्रमों का निर्धारण, आय–व्यय विवरण आदि पर चर्चा हेतु प्रतिवर्ष विभिन्न स्तरों पर वार्षिक अधिवेशन आयोजित किये जाते है । आलोच्य सत्र में राज्य परिषद का 66 वाँ वार्षिक अधिवेशन ओ.टी.एस., जयपुर में सम्पन्न हुआ। इसमें राज्य परिषद के 317 सस्यों ने भाग लिया । 7 मण्डल संघों द्वारा मण्डल परिषदों के वार्षिक अधिवेशन आयोजित किए गए । जिनमें कुल 1624 सदस्यों की सहभागिता रही । इसी प्रकार 296 स्थानीय संघों के वार्षिक अधिवेशनों के आयोजन की सूचना प्राप्त हुई, जिनमें कुल 17856 सदस्यों की सहभागिता रही।

राज्य स्तर पर ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर्स संगोष्ठी, ऑर्गेनाइजर्स सेमीनार, कार्यकारिणी सभाएँ, विभिन्न उप समितियों की सभाएँ, मण्डल तथा स्थानीय संघ स्तर पर स्काउटर/गाइडर, संस्था प्रधान, सचिव, कमिश्नर्स सम्मेलन, जिला मूल्यांकन समिति सभाएँ, पर्व समारोह आदि सम्पन्न हुए। राष्ट्रीय परिषद एवं विभिन्न राष्ट्रीय उप समितियों में भी प्रदेश का प्रतिनिधित्व रहा है।

11. स्टेट एडवेंचर :–

साहसिक एवं रोमांचकारी गतिविधियों में युवाओं की सहभागिता करवाने के उद्देश्य से आबू पर्वत पर स्टेट एडवेंचर इन्स्टीट्यूट का शुभारम्भ किया गया है, जिसमें स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर के अतिरिक्त सामान्य विद्यार्थियों को भी भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाता है । कैंम्पिंग, ट्रेकिंग, नाइट हाइकिंग, ऑब्स्ट्रिकल एडवेंचर, रॉक क्लाइम्बिंग, रोप एडवेंचर, बोटिंग राइडिंग आदि साहसिक अभ्यास युवाओं द्वारा अत्यधिक पसन्द किये जाते हैं। इन्स्टीट्यूट ने अपने अनूठे कार्यक्रमों के कारण युवाओं में विशिष्ठ लोकप्रियता हासिल की है । सत्र 2016–17 में राज्य के विभिन्न शिक्षण संस्थाओं से 16 शिविरों में कुल 948 विद्यार्थियों ने एडवेंचर कैम्प्स का आनन्द उठाया।

इसी के साथ पुष्करघाटी अजमेर, सवाईमाधोपुर एवं नारायणी धाम, अलवर में भी एडवेंचर गतिविधियाँ प्रारम्भ की गई है। इन केन्द्रों पर एडवेंचर एक्टिविटीज के साथ ही डेजर्ट ट्रेकिंग, डेजर्ट सफारी, कैमल सफारी आदि गतिविधियाँ भी जोड़ी गई हैं ।

12. वयस्क लीडर प्रशिक्षण :–

(अ) स्काउट विभाग :–

आलोच्य सत्र में अध्यापकों को संगठन से जोडने के लिए मण्डल स्तर पर 70 बेसिक कोर्स आयोजित कर 2162 स्काउटर को प्रशिक्षित किया गया। उच्च प्रशिक्षण हेतु 9 एडवांस कोर्सेज में 199 यूनिट लीडर्स ने तथा 15 स्काउट ने हिमालय बुड बैज कोर्स में प्रशिक्षण प्राप्त किया । राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित 14 प्रशिक्षण शिविरों में 160 स्काउटर्स ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। 2 स्काउटर्स ने सहायक लीडर ट्रेनर कोर्स व 2 स्काउटर्स ने लीडर ट्रेनर कोर्स में भाग लेकर उच्च प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

(ब) गाइड विभाग :–

गाइड विभाग में ग्रुपों के संचालन हेतु 38 बेसिक कोर्स आयोजित कर 822 अध्यापिकाओं को यूनिट लीडर बेसिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा एडवांस कोर्स में 98 गाइडर्स ने प्रशिक्षण लेकर योग्यता वृद्धि की ओर कदम बढाया। 14 गाइडर्स ने हिमालय वुडबैज प्रशिक्षण प्राप्त किया। 5 गाइडर्स ने प्री एएलटी 1 गाइडर ने सहायक लीडर ट्रेनर का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

13. मुख्यालय भवन एवं प्रशिक्षण केन्द्र :–

प्रदेश में 01 राज्य मुख्यालय, 7 मण्डल मुख्यालय, 33 जिला मुख्यालय एवं 59 स्थानीय संघों के मुख्यालय भवन है। 02 राज्य स्तरीय, 09 मण्डल स्तरीय, 16 जिला स्तरीय व 58 स्थानीय संघ स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र हैं। इनका विकास व सम्भाल सम्बन्धित एसोसिएशन द्वारा की जाती है । साथ ही समुचित विकास हेतु राज्य सरकार, जन सहयोग व निजी प्रयास किये जा रहे हैं । सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर भौतिक विकास व आवश्यक प्रशिक्षण सामग्री की व्यवस्था की गई है।

14. जनसहयोग विकास कार्य :–

प्रदेश संगठन में विभिन्न स्तरों पर निर्माण कार्य एवं गतिविधियों के आयोजन हेतु भामाशाहों एवं जनसामान्य से जनसहयोग के रूप में 77.72 लाख रूपये की राशि प्राप्त हुई है ।

15. अन्य :–

संगठन को स्वावलम्बन की ओर अग्रसर करने की दिशा में आलोच्य वर्ष में उद्योग पर्व का अंशदान 15233/– रूपये, फ्लेग स्टीकर कोष 3.75 लाख रूपये विभिन्न स्तरों पर भिन्न–भिन्न एसोसिएशन को प्राप्त हुआ।

राज्य के स्थाई कोषों की स्थिति निम्न है :–

स्काउट गाइड विकास कोष	138.00 लाख
स्टेट चीफ कमिश्नर रिलीफ फण्ड	4.51 लाख
रामस्वरूप धीमन फण्ड	1.90 लाख
भवन कोष	14.93 लाख

राज्य मुख्यालय स्थित उपकरण भण्डार में सत्र 2016–17 का उपकरण भण्डार क्रय राशि 881345.00 रू. एवं विक्रय राशि 1103307.00 रू. रही। सत्रान्त में कुल बचत 156814.00 रू. रही।

स्काउट गाइड ज्योति मासिक पत्रिका के माध्यम से संगठन का प्रचार–प्रसार राज्य/राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियों की जानकारी, अनुभव, समाज सेवा आदि की सूचना संगठन के सदस्यों को दी जा रही है । वर्तमान में इस मासिक पत्रिका के लगभग 1500 आजीवन एवं 10 हजार साधारण सदस्य हैं ।